मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 43 ■ अंक : 1 ■ रविवार, 2 मार्च 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

श्रेया घोषाल का एक्स अकाउंट हैक

शहर अभियंता की हुई हकालपट्टी

- PWD में भ्रष्टाचार की खुली पोल
- तरुण सेवकानी का चार्ज खरात को सौंपा गया
- आयुक्त आव्हाले ने भ्रष्ट अधिकारियों व कर्मचारियों पर कसी नकेल
- बोगस बिलों के चलते हुई फेरबदल
- संदीप जाधव की देखरेख में करोड़ों के हो चुके हैं घपले

मनपा मुख्यालय में चला आयुक्त का हंटर

उल्हासनगर। उल्हासनगर शहर का विकास कार्य ज्यादातर सार्वजनिक बांधकाम विभाग PWD द्वारा किया जाता है। इस कारोबार की देखरेख शहर अभियंता द्वारा की जाती है। हमने पहले भी कई बार अपने समाचार पत्र के जरिए PWD विभाग में हुए और हो रहे भ्रष्टाचार की पोल खोली है।

पूर्व शहर अभियंता संदीप जाधव ने ठेकेदारों से मिलीभगत करके करोड़ों के घपलों को अंजाम दिया है और अपने मनपसंद बड़े ठेकेदारों को सैकड़ों करोड़ों के ठेके तोहफे में दिए हैं और तोहफे भी लिए हैं। जिस कारण आज शहर विकास कार्य पूरी तरह ठप्प है लेकिन इस भ्रष्ट कारोबार पर नकेल कसने मनपा आयुक्त आव्हाले आ चुकी हैं। ज्ञात हो कि PWD में बोगस बिलों का हमेशा से ही बोलबाला रहा है। PWD का कार्यभार चलता तो मुख्यालय में है लेकिन उसके बिल मुख्यालय के बाहर निजी कार्यालय में बनाए जाते हैं। उसकी ही एक जांच में मनपा आयुक्त ने शहर अभियंता तरण सेवकानी की हकालपट्टी की है। अब वो PWD में ही कनिष्ठ अभियंता के रूप में कार्य करेंगे जबकि विद्युत विभाग के कार्यकारी अभियंता हनमंत खरात को शहर अभियंता का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है। यह आदेश मनपा आयुक्त ने 28 फरवरी को निकाला हुआ है। संदीप जाधव की गैरमौजूदगी में तरुण सेवकानी को शहर अभियंता का अतिरिक्त कार्यभार दिया हुआ था।

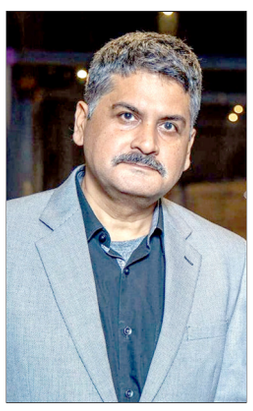

शहर अभियंता के रूप में जाधव भ्रष्टाचार के जाल में फंसे से पूर्व ही लंबी छुट्टी पर चले गए थे लेकिन आखिरकार इस भ्रष्टाचार की पोल खुलती हुई नजर आ रही है।

बोगस बिलों की जांच हो

PWD विभाग में भ्रष्टाचार का बड़ा रैकेट तब उजागर होगा जब इस विभाग में विकास कार्यों के बिलों की जांच होगी। इन बिलों में ठेकेदार जीएसटी की बड़ी चोरी करते हैं और इतना ही नहीं बोगस बिलों के आधार पर बिना कार्य किए मनपा से बिलों की पेमेंट ले लेते हैं। इस विभाग पर किसी भी आयुक्त ने ध्यान नहीं दिया जिस कारण शहर विकास कार्य हमेशा से ही रुका रहा लेकिन अब मनपा आयुक्त मनिषा आव्हाले ने भ्रष्ट अधिकारियों व कर्मचारियों पर हंटर चलाना शुरू कर दिया है जिससे अब शहर विकास कार्य को गति मिल सकेगी। लेकिन अगर आयुक्त पिछले कम से कम अगर 5 वर्षों के PWD के बिलों की जांच करें तो इसमें बड़े ठेकेदार भी फंसेंगे। क्योंकि ज्यादातर ठेके एक से दो अभियंताओं के पसंदीदा ठेकेदार को ही दिए जाते हैं। जिसमें शहर के रास्तों का निर्माण प्रमुख है। शहर की पुरानी नालियों को ही मरम्मत कर नए नालियों का बिल पेश किया जाता है। इसकी भी जांच होनी चाहिए। आयुक्त आव्हाले के कार्य से शहरवासी काफी खुश है और निडर कार्य से शहरवासियों को बड़ी उम्मीद नजर आ रही है।

गाय चोरी करने वाला युवक 3 दिन की पुलिस रिमांड में

- 2 आरोपी फरार
- जावसई गांव में गाय को बेहोश करके चोरी करने आए थे
- आरोपी गोविंदवाड़ी कल्याण से आए थे अंबरनाथ

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ के जावसई गांव वाघवाड़ी से गाय को बेहोश करके उसे उठाकर ले जाने की तैयारी कर रहे 3 में से एक व्यक्ति को गांव वालों ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया है. पकड़ा गया युवक गोविंदवाड़ी कल्याण से अंबरनाथ आया था. उसे पुलिस ने न्यायालय में पेश करके तीन दिनों की रिमांड पर ले लिया है. शेष 2 फरार आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है.

जावसई वाघवाड़ी के निवासी तुषार लोंढे और अक्षय वाघचौरे ने अपनी गाय को चरने के लिए छोड़ा था. रात 8 बजे तक 3 गाय वापस घर नहीं आने पर जब वह उन्हें तलाश करने निकले तो देखा कि एक व्यक्ति गाय को पाव खिला रहा है. उसके साथ 2 और लोग थे. दोनों ने मिलकर एक को पकड़ा शेष दो भागने में सफल हो गए. युवक के पास से बेहोशी की दवा मिला हुआ पाव भी मिला है.

गांव वालों ने बताया कि अब तक उनकी 15 गाय चोरी हुई है. पकड़े गए युवक ने भी स्वीकार किया है कि वह गाय को चोरी करके ले जाने के बाद उसकी हत्या करके गौमांस को बेचने वाले थे. युवक के पकड़े जाने से अब ये अंदाजा लगाया जा रहा है कि उसके गैंग के अन्य सदस्य भी पकड़े जाएंगे.

विदित हो कि 20 दिनों पूर्व अंबरनाथ के सहायक पुलिस आयुक्त ने शहर पश्चिम में चल रहे नौ गौमांस की दुकानों पर कार्रवाई करके 9 पर अपराध भी दर्ज किया है. अब ये सभी दुकानें बंद हैं.

अंग्रेजी बोर्ड के खिलाफ मनसे हुई आक्रामक

- बदलापुर के दुकानदारों में हड़कंप
- आंदोलन और तीव्र होगा

बदलापुर. बदलापुर के मनसैनिकों ने दुकानों पर लगे अंग्रेजी बोर्ड के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने दुकानों पर लगे अंग्रेजी बोर्ड पर स्प्रे छिड़का। तीन दिन पहले बदलापुर में मनसैनिकों ने दुकानदारों के पास जाकर उन्हें दो दिन का अल्टीमेटम दिया था। लेकिन कुछ दुकानदारों ने अपनी दुकानों पर अंग्रेज़ी में लिखे बोर्ड लगाना जारी रखा। इसलिए, मनसे ने अंततः सड़कों पर उतरकर दुकानों की खिड़कियों पर कालिख पोत दी। इस बीच, मनसैनिकों ने चेतावनी दी है कि आंदोलन केवल मराठी भाषा दिवस पर ही नहीं होगा, बल्कि भविष्य में और भी तीव्र होगा।

7 माह में कराया गर्भपात, बलात्कारी गिरफ्तार

- आरोपियों ने भ्रूण को दफनाया
- नाबालिग लड़की से किया बलात्कार
- सेंट्रल पुलिस क्षेत्र की घटना

उल्हासनगर. उल्हासनगर में एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक गर्भवती नाबालिग लड़की का

सात महीने का गर्भपात करा दिया गया। उसके बाद एक ओर बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है जिसमें आरोपियों ने भ्रूण (गर्भ) को दफना दिया ताकि किसी को पता न चले। आरोपी ने पड़ोस में रहने वाली एक नाबालिग लड़की के साथ बार-बार जबरदस्ती की, जिसके परिणामस्वरूप नाबालिग लड़की सात महीने की गर्भवती हो गई। जैसे ही आरोपी को इस बारे में पता चला, उसने और उसके रिश्तेदार ने उसे गर्भपात की गोलियां दे दीं। इसके बाद सातवें महीने में ही उसका गर्भपात हो गया। हालांकि, इस घटना के बारे में किसी को पता न चले, इसके लिए आरोपी ने भ्रूण को एक निश्चित स्थान पर ले जाकर जमीन में दफना दिया। इस बीच, पुलिस को नाबालिग लड़की के बारे में सूचना मिली, जब उसका सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा था। अब पुलिस ने आरोपी का साथ देने वाले उसके रिश्तेदारों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मुख्य आरोपी को सेंट्रल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इतना ही नहीं, उसने गर्भपात करवाकर भ्रूण को जमीन में गाड़ दिया था। पुलिस ने भ्रूण को बरामद कर लिया है और उसका डीएनए सैंपल भी ले लिया है। आगे की जांच पुलिस कर रही है।

रेसर बाइक ने ऑटो रिक्शे को मारी टक्कर, 3 जन जख्मी

अंबरनाथ. शुक्रवार को दो रेसरों की चपेट में एक रिक्शा आ जाने की घटना में 3 जन जख्मी हो गए. इनमें रिक्शा चालक, एक महिला सहित एक छोटी बच्ची का समावेश है. यह हादसा अंबरनाथ के केबी रोड स्थित डी मार्ट के सामने हुआ. जानकारी के मुताबिक एक परिवार डी मार्ट से सामान खरीदकर रिक्शे से जा रहा था. इसी समय दो बाइक सवार अंबरनाथ से उल्हासनगर की ओर रेस लगा रहे थे. इसके अलावा खबर है कि ये दोनों नाबालिग हैं. रेसिंग के दौरान उसने तेज गति से बाइक चलाकर एक रिक्शे को टक्कर मार दी. रिक्शा चालक और रिक्शा में सवार दो लोग घायल हो गए इस हादसे में चपेट में आया एक नाबालिग लड़का भी घायल हो गया है. सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है.

उल्हासनगर 5 में व्यक्ति का जला हुआ शव मिला

मृतक

- हत्या अथवा आत्महत्या?
- हिललाइन पुलिस में मामला दर्ज
- मृतक करता था पेंटिंग का कार्य

उल्हासनगर. उल्हासनगर कैंप 5 के गणेश नगर इलाके में एक घर में एक व्यक्ति का जला हुआ शव मिला है। व्यक्ति का नाम राम सुरडकर है। स्थानीय लोगों को सुबह के समय उसके घर में उसका जला हुआ शव मिला। इस बीच, पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि राम ने खुद को जलाया या किसी ने उसे आग लगाई। राम सुरडकर पेंटिंग करके अपना गुजारा करते थे। वह शादीशुदा था, लेकिन अपनी पत्नी से अलग रह रहा था। इसलिए, यह अनुमान लगाया जा रहा है कि उसने अवसाद के कारण आग लगाकर आत्महत्या कर ली होगी। हालांकि, हिललाइन पुलिस अभी भी जांच कर रही है कि यह हत्या है या आत्महत्या।

अंबरनाथ तालुका में बन रहा नया बांध

अंबरनाथ. अंबरनाथ तालुका के येवे गांव में एक नया बांध बनाया जा रहा है। बांध का काम शुरू हो चुका है। इस बांध से आस-पास के कई गांवों के किसानों और ग्रामीणों की पानी की समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा। यह बांध मृदा एवं जल संरक्षण विभाग की लघु सिंचाई योजना के माध्यम से येवे गांव में बनाया जा रहा है। इस बांध से चार किलोमीटर लंबी नहर बनेगी। इसमें से 139 हेक्टेयर गीली भूमि जलमग्न होगी। इस बांध में 1.97 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी संग्रहित होगा और इस बांध के लिए वन भूमि का भी उपयोग किया जाएगा। इस बांध पर लगभग 65 करोड़ रुपये की लागत आएगी और काम शुरू हो चुका है। कहा जा रहा है कि इस बांध का काम एक साल के भीतर पूरा हो जाएगा और जून के महीने में बांध में पानी की पूजा की जाएगी। इसके साथ ही अंबरनाथ तालुका के आसनोली, नंबरवाड़ी, इंदगांव चिंचवली क्षेत्रों में एमएमआरडीए के माध्यम से छोटे बांध भी बनाए जाएंगे।

हियरिंग वैल क्लीनिक द्वारा 3 मार्च को मुफ्त कैंप

उल्हासनगर। सोमवार 3 मार्च को विश्व हियरिंग डे है और इस उपलक्ष्य में हियरिंग वैल क्लीनिक उल्हासनगर द्वारा मुफ्त हियरिंग टेस्ट कैम्प का आयोजन 3 मार्च की सुबह 10 से शाम 8 बजे तक शॉप नं. 5, ग्राउंड फ्लोर, मुरलीवाला कॉम्प्लेक्स, बंधन बैंक के पास, अशोक अनिल मल्टीप्लेक्स की लेन, उल्हासनगर-3 में आयोजित किया गया है।

मशहूर ऑडियोलॉजिस्ट श्रीमती डिम्पल सतीष कुकरेजा ने लोगों से अपील की है कि इस कैंप में पंजीकरण करने के लिए 7218881555 पर संपर्क करें। अगर आपको सुनने में तकलीफ है तो इस मुफ्त कैम्प का जरूर लाभ उठाएं। इस क्लीनिक में कान की मशीन भी उपलब्ध है।

युवती ने लगाई फांसी, प्रेमी गिरफ्तार

मोबाइल में बनाया आत्महत्या का वीडियो, बताए आरोपियों के नाम

- युवक ने शादी का झांसा देकर दूसरे से रचाई शादी
- प्रेमी व बहन गिरफ्तार
- 10 वर्षों से प्रेम संबंध में थी युवती

टिटवाला. टिटवाला में रहने वाली एक युवती ने आत्महत्या करने से पहले अपने मोबाइल फोन पर एक वीडियो बनाया। इस वीडियो में उसने उन लोगों के नाम बताए जिन्होंने उसे आत्महत्या के लिए प्रेरित किया और उसका उत्पीड़न किया। टिटवाला क्षेत्र निवासी 32 वर्षीय सुमन शेंडगे ने अपने प्रेमी द्वारा परेशान किये जाने के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुमन पिछले दस वर्षों से सचिन शास्त्री के साथ प्रेम संबंध में थीं। वह लगातार सुमन को शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाता रहा। लेकिन पांच साल पहले उसने दूसरी लड़की से शादी कर ली। इसके बाद से ही प्रेमी सचिन, उसकी पत्नी और उसके परिवार के अन्य लोग सुमन को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। यह मानसिक परेशानी इतनी बढ़ गई कि उसने फांसी लगाकर आत्महत्या करने जैसा कदम उठा लिया। हालाँकि, आत्महत्या करने से पहले युवती ने अपने मोबाइल फोन पर वीडियो बनाया मैं दुखी और हताश होकर आत्महत्या करने जा रही हूं। पुलिस ने सचिन और उसके परिवार के सदस्यों के साथ-साथ उसकी बहन पूजा वाघमारे के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सचिन और उसकी बहन पूजा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। टिटवाला पुलिस आगे की जांच कर रही है।

मनपा स्कूल में मिली शराब की बोतलें

- हिरकणी कमरे से बोतलें बरामद
- स्कूल नंबर 29 की घटना
- स्कूल सुरक्षा पर सवाल

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका स्कूल के बगल में बने हिरकणी कमरे में शराब की बोतलें मिलने से काफी हड़कंप मच गया। स्कूल नंबर 29 कैप नंबर 3 के फालोवर लाईन क्षेत्र में स्थित है। इस स्कूल के परिसर में स्तनपान के लिए एक नर्सिंग रूम बनाया गया है। लेकिन, चूंकि इस नर्सिंग रूम का उपयोग नहीं हो रहा है, इसलिए यह बेकार पड़ा हुआ है। इसलिए कोई भी इसका उपयोग नहीं करता है। अब इस हिरकणी कमरे में शराब की बोतलें मिलने से यहां की सुरक्षा पर सवाल खड़ा हो गया है।

■ अन्य स्कूलों की भी जांच की मांग

इसके अलावा, चूंकि स्कूल परिसर में कोई सुरक्षा गार्ड नहीं है, इसलिए नगर निगम यह जांच कर रहा है कि क्या बाहरी लोग हिरकणी कक्ष का उपयोग कर रहे हैं या कौन सा कर्मचारी इसका उपयोग कर रहा है। यह जांच का विषय है। कहीं अन्य स्कूलों में तो यह हालत नहीं इसकी जांच की मांग की गई है।

अंबरनाथ के 'उस' मोबाइल टॉवर को नपा ने कर दिया नाकारा

- प्रहार संघटना का सफल हुआ आंदोलन
- अवैध निर्माण भी किया ध्वस्त

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ के जावसई में अवैध शाम में अवैध तरीके से लगाए गए मोबाइल टॉवर का बिजली कनेक्शन काट कर नगर परिषद ने टॉवर को नाकार बना दिया है. साथ ही अवैध तरीके से बनाए गए शॉप को भी अंबरनाथ नपा के अतिक्रमण विभाग ने तोड़ दिया है.

विदित हो कि इस मामले को प्रहार पक्ष के शहराध्यक्ष आलम खान ने जोर-शोर से उठाया था और उन्होंने नपा प्रशासन से पत्र व्यवहार भी करके नपा कार्यालय में आंदोलन करके नारेबाजी भी की थी. नपा ने उन्हें आश्वासन दिया था कि वह कार्रवाई करेगी. आखिर इस अवैध टॉवर को नाकारा करके अवैध दुकान को भी नपा ने ध्वस्त कर दिया है.

विदित हो कि इस गंभीर मसले को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता योगेश चलवादी लगातार अंबरनाथ नपा से पत्र व्यवहार कर रहे थे. आखिर उन्होंने प्रहार संघटना का सहारा लिया और अध्यक्ष आलम खान ने गत दिनों अपने कार्यकर्ताओं एवं चलवादी को लेकर नपा कार्यालय में घुसकर नारेबाजी करके आंदोलन किया. आखिर नपा ने अवैध निर्माण को ध्वस्त करके मोबाइल टॉवर को नाकारा कर दिया है.

5 बिल्डरों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज

टिटवाला में 800 से अधिक अवैध निर्माण ध्वस्त किए जाने के बाद अब आपराधिक कार्रवाई शुरू

कल्याण. पिछले 25 दिनों में कल्याण डोंबिवली मनपा सीमा के टिटवाला-मांडा क्षेत्र में निर्मित 800 से अधिक अवैध निर्माणों को वार्ड ए के सहायक आयुक्त प्रमोद पाटिल द्वारा ध्वस्त कर दिया गया। टिटवाला क्षेत्र में इन अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई जारी है, वहीं अब अवैध निर्माण करने वाले बिल्डरों के खिलाफ आपराधिक मामले भी शुरू कर दिए गए हैं। बुधवार को टिटवाला पुलिस स्टेशन में 5 अवैध निर्माणकर्ता मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

किताबुल्ला शेख, बैतुल्ला शेख, मुखलीस खालीक काबाडी, इफतीकार खालीक काबाडी, जुल्फकार खालीक काबाडी के खिलाफ महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना नियोजन एवं महापालिका अधिनयम के तहत आयुक्त डॉ. इंदुराणी जाखड, अतिरिक्त आयुक्त हर्षल गायकवाड के आदेशानुसार अ प्रभाग के सहायक आयुक्त प्रमोद पाटील, अधीक्षक शिरीष गर्गे ने मामला दर्ज कराया है.

पुलिस स्टेशन में दी गई शिकायत में कहा गया है कि मुखलिस कबाड़ी, इफ्तिखार और जुल्फेकार ने महानगर पालिका से निर्माण की अनुमति प्राप्त किए बिना सर्वेक्षण क्रमांक 178 के भूमि क्षेत्र पर अवैध चालियां बनाई थीं। इस संबंध में वार्ड ए में शिकायतें मिलने के बाद तत्कालीन सहायक आयुक्त संदीप रोकड़े (निलंबित) ने वार्ड ए के तीनों निर्माण मालिकों को निर्माण अनुमति दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किए थे। तीनों बिल्डर निर्धारित समय के भीतर ये दस्तावेज प्रस्तुत करने में असमर्थ रहे। रोकडे ने इस निर्माण को अनधिकृत घोषित किया था। रोकड़े ने इन संरचनाओं को ध्वस्त करने तथा एमआरटीपी के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की।

टिटवाला के बलियानी इलाके में किताबुल्लाह और बैतुल्लाह शेख ने एक आदिवासी खेत के पास पानी की टंकी के पास अवैध रूप से पांच चालियां बना ली थीं। तत्कालीन सहायक आयुक्त रोकड़े ने बिल्डरों को नोटिस भेजकर वार्ड ए में निर्माण संबंधी दस्तावेज दाखिल करने का आदेश दिया था। निर्माण श्रमिकों ने डिवीजन ए को कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया। रोकड़े ने उन पांच लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जिनके अवैध निर्माण कार्य चल रहे थे। वर्तमान सहायक आयुक्त प्रमोद पाटिल ने बिल्डरों के खिलाफ एमआरटीपी मामले दर्ज किए, जिसमें इन निर्माणों को अनधिकृत घोषित किया गया। सहायक आयुक्त पाटिल ने उन मामलों को हटाकर रोकड़े के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है जहां पहले नोटिस जारी किए गए थे लेकिन एमआरटीपी को अनधिकृत घोषित नहीं किया गया था।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

1937 में शुरू हुई थी भाषा की लड़ाई

तमिलनाडु में हिंदी के विरोध का इतिहास वर्षों पुराना है। देश को आजादी मिलने से पहले ही हिंदी विरोधी आंदोलनों को हवा मिलती रही है। ये आंदोलन कभी उग्र, तो कभी हिंसक भी हुए। वर्ष 1937 में जब तत्कालीन मुख्यमंत्री चक्रवर्ती राजगोपालाचारी ने हिंदी को अनिवार्य किया, तो इसका कड़ा विरोध हुआ। उस समय हुए आंदोलन से ही द्रविड़ राजनीति की बुनियाद पड़ी। इसके बाद तो हिंदी विरोध के नाम पर लगातार आंदोलन और अभियान चलाए गए। इसमें साठ के दशक में हुए आंदोलन को याद किया जाता है।

यह विरोध तब शांत हुआ, जब राजभाषा अधिनियम में संशोधन हुआ। मगर यह दुखद ही है कि हिंदी विरोध का सिलसिला आज भी जारी है। जब भी हिंदी को लेकर कोई चर्चा शुरू होती है, उसका तत्काल विरोध शुरू हो जाता है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बयान को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए, जिसमें उन्होंने केंद्र पर राज्य में हिंदी थोप कर 'भाषा युद्ध के बीज' बोने का आरोप लगाया है। किसी भी अन्य भाषा के हावी नहीं होने देने का अपना रुख जता कर उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वे द्विभाषी नीति से आगे बढ़ने को तैयार नहीं।

सभी भाषाओं को बराबरी का दर्जा देकर ही हम देश की सांस्कृतिक एकता मजबूत कर सकते हैं। हिंदी बोलने वाले लोग देश के हर कोने में मिल जाते हैं। कोई राज्य अगर अपनी मातृभाषा को महत्त्व देता है, तो उसकी भावना का सम्मान किया जाना चाहिए। मगर किसी राज्य विशेष का नागरिक दूसरे राज्यों में जाता है, तो हिंदी के बिना उसका काम नहीं चलता। भाषाएं तो एक दूसरे जुड़ कर ही आगे बढ़ती हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में त्रिभाषा फार्मूले को लेकर चल रही सियासी बयानबाजी के बीच स्टालिन का विरोध नाहक ही है कि हिंदी से उनकी मातृभाषा नष्ट हो सकती है। दरअसल, उन्होंने अपने स्वर तीखे करते हुए साफ कर दिया है कि वे उन्हीं पुराने आंदोलनों के वशंज है, जिसमें हिंदी को लेकर उपेक्षा का गहरा भाव है। स्टालिन यह भूल गए हैं कि हिंदी दिलों को जोड़ने की भाषा है। यह आज भारत ही नहीं, दुनिया के कई देशों में समझी और बोली जाती है।

दूर होना चाहिए दक्षिणी राज्यों का संदेह, परिसीमन को लेकर असमंजस

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने पांच मार्च को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इसमें लोकसभा के संभावित परिसीमन पर चर्चा होगी। उन्होंने आशंका जताई है कि जनसंख्या के आधार पर पर होने वाले 2026 के परिसीमन से तमिलनाडु और दक्षिण के अन्य राज्यों का नुकसान होगा।

उन्होंने कहा कि हमने कड़ाई से जनसंख्या नियंत्रण में सफलता प्राप्त की है, लेकिन अब इसका नुकसान भुगतना पड़ रहा है। दक्षिण के अन्य राज्य भी समय-समय पर कहते रहते हैं कि उनकी जनसंख्या विकास दर घटने से उन्हें राजनीतिक एवं आर्थिक योजनाओं में नुकसान उठाना पड़ता है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने भी उनके सुर में सुर मिलाया है। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव भी स्टालिन जैसी आपत्ति जता रहे हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और केंद्र में सत्तारूढ़ राजग के सहयोगी चंद्रबाबू नायडू भी स्टालिन जैसी आशंका जता चुके हैं। हालांकि ऐसी आशंकाओं के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आश्वस्त किया है कि दक्षिणी राज्यों को संभावित परिसीमन में ऐसा कोई भेदभाव नहीं झेलना पड़ेगा।

देश में जनसंख्या के अनुरूप जनप्रतिनिधित्व की परंपरा रही है। विगत पांच जनगणना दशकों-1961 से लेकर 2011 तक देश की जनसंख्या वृद्धि दर 175.67 प्रतिशत थी, लेकिन आंध्र में यह 57.45, केरल में 97.62, तमिलनाडु में 114.16 तथा कर्नाटक में 159.01 प्रतिशत रही।

कर्नाटक में आइटी और अन्य क्षेत्रों में हुए विकास के चलते देश भर

से आकर लोग वहां बसते चले गए। समय के साथ हुई समृद्धि और अन्य पहलुओं ने भी जनसंख्या वृद्धि पर ब्रेक लगाने में भूमिका निभाई।

परिसीमन की चर्चा करें तो देश में लोकसभा सीटों के परिसीमन हेतु 1953, 1962, 1972 तथा 2002 में परिसीमन आयोग गठित हुए। आगामी लोकसभा चुनाव के पूर्व अब नए परिसीमन आयोग का गठन प्रस्तावित है, क्योंकि 2029 का लोकसभा चुनाव नए परिसीमन के आधार पर होगा।

1953 के परिसीमन हेतु 1951 की जनगणना, 1962 में 1961 की जनगणना, 1972 में 1971 की जनगणना तथा 2002 में 2001 की जनगणना को आधार माना गया था, लेकिन 2029 के परिसीमन के लिए अधिकृत रूप से जनसंख्या का क्या आधार होगा, यह कहा नहीं जा सकता, क्योंकि कोरोना के कारण 2021 की जनगणना नहीं हो पाई है।

फिर भी स्टालिन ने जो सवाल उठाया है, उसे टालना उचित नहीं होगा। परिसीमन को लेकर अगर कोई संदेह है तो उसका प्रभावी समाधान होना ही चाहिए।

वर्ष 1956 में राज्यों का पुनर्गठन और उसके बाद राज्यों की सीमाएं तय हुई थीं। जहां तक दक्षिण के राज्यों और उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी की मांग का सवाल है तो प्रथम परिसीमन के बाद 1957 में हुए लोकसभा चुनाव के समय देश में लोकसभा की कुल 494 सीटें थीं, जिसमें दक्षिण के चार राज्यों की 128 सीटें थीं।

1962 के परिसीमन के बाद 1967 में लोकसभा की सीटें बढ़कर 520 हो गईं, लेकिन इन चार राज्यों की सीटें बढ़ने के बजाय घटकर 126 रह गईं। विशेषकर तमिलनाडु की सीटें 41 से घटकर 39 हो गईं। उस समय भी तमिलनाडु में विरोध हुआ था। फिर 1972 के परिसीमन के बाद 1977 के लोकसभा चुनाव के समय लोकसभा की सीटें बढ़कर 542 हुईं और दक्षिण के इन राज्यों की सीटों में मामूली वृद्धि हुई और वे 126 से बढ़कर 129 के आंकड़े पर पहुंच गईं।

दक्षिण की भावना को देखते हुए ही 2002 के परिसीमन में यह नीति बनी कि सीटें तो न बढ़ाई जाएं, लेकिन लोकसभा सीटों में जनसंख्या को इस तरह विभाजित करें कि न्यूनतम और अधिकतम का अंतर 10 प्रतिशत से ज्यादा न हो तथा कम से कम प्रशासनिक इकाई का विभाजन हो।

लोकसभा में प्रखंड और विधानसभा में पंचायत को प्राथमिक इकाई माना गया यानी जनसंख्या, प्रशासनिक इकाई और आवागमन को ध्यान में रखकर नया परिसीमन किया गया। हालांकि आज भी लोकसभा और विधानसभा की सीटों में जनसंख्या का वितरण समान ढंग से लागू नहीं है।

पूर्वोत्तर और पर्वतीय राज्यों में संख्या का वितरण और मैदानी क्षेत्र तथा घनी आबादी वाले राज्यों के लोकसभा और विधानसभा क्षेत्र की जनसंख्या और मतदाताओं की संख्या में काफी अंतर है।

हमारी प्रत्येक साँस अनमोल है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चौनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

विद्यार्थियों का घटता नामांकन चिंता का विषय

देश के कई विद्यालयों में विद्यार्थियों का घटता नामांकन चिंता का विषय है। एक रपट में कहा गया है कि देशभर में कम से कम पैंतीस फीसद स्कूलों में पचास या उससे कम ही विद्यार्थी पढ़ते हैं। कई स्कूलों में एक या दो ही शिक्षक हैं। दस फीसद स्कूलों में बीस से कम विद्यार्थी आ रहे हैं। यह स्थिति स्कूली शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिह्न है। स्कूलों में नामांकन की स्थिति पर जो विश्लेषण सामने आया है, वह बेहद निराशाजनक है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा किए गए सर्वेक्षण से पता चला है कि भारत में लगभग 12.6% छात्र पढ़ाई छोड़ देते हैं। इनमें से 19.8% माध्यमिक स्तर पर पढ़ाई छोड़ते हैं और 17.5% उच्च प्राथमिक स्तर पर। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, असम, ओड़ीशा, आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड और राजस्थान जैसे राज्यों में उपलब्ध स्कूलों की संख्या नामांकित छात्रों के प्रतिशत से अधिक है, जिसका अर्थ है कि उपलब्ध स्कूलों का कम उपयोग हो रहा है।

शिक्षा तक सभी की पहुंच समाज और देश के विकास और प्रगति के लिए अनिवार्य है। लेकिन इस दिशा में काफी काम करने की जरूरत है। अभी तक हम चुनौतियों से पार नहीं पा सके हैं। कई परिवार, विशेष रूप से गरीबी में रहने वाले परिवार, अपने बच्चों के योगदान पर निर्भर रहते हैं। बाल श्रम न केवल उन्हें शिक्षा के अपने अधिकार से वंचित करता है बल्कि उन्हें संभावित शोषण और स्वास्थ्य जोखिमों के लिए भी उजागर करता है। दूसरा है, बाल विवाह। कम उम्र में विवाह, खास तौर पर लड़कियों के लिए, स्कूल छोड़ने की

दर में अहम योगदान देता है।

इसके अलावा, आकर्षक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी भी छात्रों की प्रतिबद्धता को कम कर सकती है। भारत में स्कूल छोड़ने के पीछे लैंगिक असमानता एक और बड़ी वजह है। सुरक्षा संबंधी चिंताएं, घरेलू जिम्मेदारियों और सामाजिक मानदंड अक्सर लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करने से रोकते हैं। कुपोषण और पुरानी बीमारियों सहित स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, स्कूल छोड़ने वालों में योगदान करती हैं। माता-पिता की भागीदारी बच्चे की शैक्षिक सफलता में एक बड़ी भूमिका निभाती है।

सवाल है कि कैसे हो सुधार। सरकार को प्रारंभिक बचपन शिक्षा कार्यक्रमों को प्राथमिकता देनी चाहिए। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बच्चों के लिए जरूरी है। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में निवेश करके प्रभावी शिक्षण देने के लिए कौशल और ज्ञान की गारंटी सुनिश्चित की जा सकती है। परामर्श केंद्र स्थापित किए जा सकते हैं। कई बच्चे, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण स्कूल छोड़ देते हैं।

बच्चों की समस्या को हल करने में समुदाय और अभिभावकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं। नियमित स्वास्थ्य जांच और मध्याह्न भोजन योजनाओं सहित स्कूल स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। बाल श्रम के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता अभियान चलाए जा सकते हैं। कई स्तरों पर प्रयास करना होगा, तभी शिक्षित भारत के लक्ष्य के लिए मजबूती से काम हो सकेगा।

ठोस रोबोट खुद को पिघला कर बदलेंगे अपना आकार

जरा हट के

विज्ञान ने ऐसी ऐसी कल्पनाओं को सच किया है जिन पर उनके होने के कुछ समय पहले यकीन करना मुश्किल था. हर कोई कभी कोरी कल्पना तो कभी विज्ञान फंतासी का नाम देकर बड़े आविष्कारों को नकारता रहा था. चाहे हवाई जहाज बनाना हो या फिर एआई से सुसज्जित तकनीकी, विज्ञान ने असंभव को संभव बनाया है. इसी कड़ी में वैज्ञानिकों ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है. कुछ सालों में आपको हुलिया, यहां तक कि आकार बदलते रोबोट भी दिखने लगेंगे. इस तरह का विचार मशहूर हॉलीवुड फिल्म टर्मिनेटर 2 में देखने को मिला था.

सच होगा उस फिल्म का अंदाज

1991 में जब टर्मिनेटर 2 जजमेंट डे नाम की फिल्म रीलीज हुई थी. उसमें टी-1000 नाम का रोबोट था जिसे में यह क्षमता थी कि वह कभी भी खुद

को पानी की तरह पिघलाने के बाद किसी का भी रूप धर सकता था. अब वैज्ञानिकों ने एक आकार सके ऐसा रोबोट बनाया है.

शोधकर्ताओं का दावा है कि इस तरह के रोबोट को बोतल में रखा जा सकता है. उनके मुताबिक डिस्क के आकार के स्वचलित रोबोट को इस तरह से प्रोग्राम किया जा सकेगा जो खुद को ही असेंबल कर कई आकार ले सकेंगे. ये रोबोट मैग्नेट, मोटर्स और प्रकाश की मदद से खुद की कठोर से तरल अवस्था में बदल सकेंगे. इस तरह से वे खुद को ठीक कर वापस अपना आकार भी हासिल कर सकेंगे.

उन्हें बहा कर पहुंचाया जा सकता है

इस खोज के बारे में यूनिवर्सिटी ऑफ कैलीफोर्निया सांता बारबरा के पूर्व डॉक्टोरल रिसर्चर ने बताया,""अब हमने यह पता लगा लिया है कि रोबोट के कैसे पदार्थ की तरह बर्ताव करने वाला बनाया जा सकता है." उन्हें किसी एक दिशा में कहीं भी भेज कर उनसे वह कार्य कराया जा सकता है जिनके लिए उन्हें बनाया गया है.

हरे चने का निमोना

खाना-खजाना

क्या आपने निमोना ट्राई किया है? यदि नहीं, तो एक बार इसे आज़माएँ।आपको बता दें कि यह यूपी और बिहार की मशहूर डिश है, जिसे वहां बड़े चाव से खाया जाता है. आप चाहें तो हरे मटर का निमोना बनाकर रोटी और चावल के साथ परोस सकते हैं. अगर आपको निमोना बनाने के लिए हरी मटर नहीं मिल रही है तो हरे चने का उपयोग किया जा सकता है.

तरीका निमोना को स्वादिष्ट बनाने के लिए हरे चनों को धोकर उबलने के लिए रख दीजिये. इस पानी में 1/2 छोटी चम्मच नमक और हरी मिर्च डाल दीजिये. - नमक, चना और पालक डालकर अच्छी तरह पकाएं. - चने में उबाल आने पर इसे ठंडा होने दीजिए. ठंडा होने पर पीस लें. आप चाहें तो चने पीसते समय 2 बर्फ के टुकड़े भी डाल सकते हैं. इसके बाद टमाटर, अदरक और लहसुन को काट लें. पैन को गैस पर रखें और तीनों चीजों को

थोड़े से तेल में अच्छे से भून लें, फिर इसमें हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला पाउडर आदि मसाले डालकर अच्छे से भून लें. - अब इस मिश्रण को थोड़ा ठंडा होने दें. फिर इसे मिक्सर में पीसकर पेस्ट तैयार कर लें। आप चाहें तो टमाटर, अदरक, लहसुन का पेस्ट बिना तले भी बना सकते हैं और फिर मसाले को भून भी सकते हैं

लेकिन यह विधि निमोना को बहुत स्वादिष्ट बनाती है. - अब दोबारा पैन को गैस पर रखें और तेल गर्म करें. तेल गरम होने पर हींग और जीरा डाल दीजिए. - अब इसमें पिसा हुआ मसाला पेस्ट डालकर कुछ देर तक भूनें. - इसके बाद पैन में उबले हुए आलू और मटर डालें. - सबसे पहले आलू को टुकड़ों में काट लीजिए.- अब आलू और मटर को अच्छे से भून लें, ताकि मसाला अच्छे से चिपक जाए. - फिर पालक का पेस्ट डालें और थोड़ा पानी भी डालें. जब हरे चने का मिश्रण उबलने लगे तो इसमें थोड़ी सी क्रीम डाल दीजिए. 2 मिनिट बाद गैस बंद कर दीजिये. आपका गरम चने का निमोना परोसने के लिए तैयार है. आप इसे चावल या रोटी के साथ परोस सकते हैं.

युवाओं में बढ़ रहा है हार्ट अटैक का खतरा

- **डॉक्टर बोले- ये तीन उपाय 40% तक कम कर सकते हैं जोखिम**

हृदय रोगों के मामले पिछले कुछ वर्षों में काफी तेजी से बढ़े हैं, आश्चर्यजनक रूप कम उम्र के लोग न सिर्फ इसके शिकार हो रहे हैं, साथ ही मौत का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। कुछ शोध बताते हैं कि कोरोना महामारी के बाद से हार्ट अटैक का जोखिम और भी बढ़ गया है, ये वायरस हृदय स्वास्थ्य को भी गंभीर तौर पर क्षति पहुंचाते हुए देखा गया है। इसके अलावा लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण हृदय रोगों की समस्याओं का खतरा और भी अधिक बढ़ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि सभी लोग हार्ट का ध्यान रखें और इसे स्वस्थ बनाए रखने के लिए उपाय करते रहें।

हृदय रोग विशेषज्ञों का कहना है कि जीवनशैली को ठीक रखकर

आप हृदय की गंभीर समस्याओं के जोखिम को कम कर सकते हैं। भले ही आप अभी स्वस्थ हैं पर सुरक्षात्मक उपाय करके भविष्य में होने वाली समस्याओं के खतरे से बचाव करते रहना जरूरी है। आइए जानते हैं कि किन उपायों की मदद से हार्ट अटैक से बचाव किया जा सकता है?

■ क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

पुणे स्थित कार्डियोलॉजिस्ट डॉ एम.आर.खान कहते हैं, कई कारक हैं जो हृदय की सेहत को क्षति पहुंचा रहे हैं। बड़ी संख्या में युवाओं में ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल की दिक्कत भी देखी जा रही है जिससे हृदय को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचता है। धूम्रपान और शराब के अधिक सेवन के कारण भी हार्ट अटैक का खतरा हो सकता है।

इस बड़े जोखिम से बचाव के लिए लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करना लाभकारी हो सकता है। कम उम्र से ही सभी लोगों को इन सावधानियों के बारे में ध्यान रखना चाहिए।

■ स्वस्थ आहार जरूरी

हृदय के साथ संपूर्ण स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए भी आहार का ध्यान रखना जरूरी है। पोषक तत्व धमनियों के साथ हृदय को स्वस्थ रखने में मददगार माने जाते हैं। फलों-सब्जियों से भरपूर आहार, साबुत अनाज, लीन प्रोटीन और स्वस्थ वसा से भरपूर आहार खाने से कोलेस्ट्रॉल कम करने और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है। ये हृदय की सेहत को भी ठीक बनाए रखने में सहायक है। इसके साथ प्रोसेस्ड आहार, नमक और चीनी वाली चीजों का सेवन कम करना भी जरूरी है।

■ शारीरिक सक्रियता का ध्यान रखना जरूरी

नियमित व्यायाम और शारीरिक गतिविधि आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को ठीक रखने में सहायक है। रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने और स्वस्थ वजन बनाए रखने में भी इससे मदद मिल सकती है। प्रत्येक सप्ताह कम से कम 150 मिनट तक व्यायाम का लक्ष्य रखें। तेज चलना, साइकिलिंग या तैराकी जैसे अभ्यास को भी दिनचर्या में शामिल करके हृदय स्वास्थ्य को ठीक रखने और क्रोनिक बीमारियों के खतरे को कम करने में लाभ मिल सकता है।

■ धूम्रपान और शराब को कहें न

धूम्रपान और शराब, दो ऐसी आदतें हैं जिससे सेहत पर कई प्रकार से नकारात्मक असर हो सकता है। इससे न सिर्फ कैंसर जैसी बीमारियों का जोखिम रहता है साथ ही ये हृदय की समस्याओं का भी प्रमुख कारण हो सकती है। इन दोनों आदतों से दूरी बनाकर हृदय रोगों को खतरे को 40 फीसदी तक कम किया जा सकता है। धूम्रपान से सबसे ज्यादा नुकसान धमनियों को होता है जिससे रक्त का संचार प्रभावित हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष : नौकरी में कार्यभार रहेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आय में निश्चितता रहेगी। जोखिम न लें। एकाएक स्वास्थ्य खराब हो सकता है, लापरवाही न करें। दूर से दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। व्यर्थ दौड़धूप होगी। विवाद से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है।

वृषभ : प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। लाभ देगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि में जल्दबाजी न करें।

मिथुन : फिजूलखर्ची ज्यादा होगी। शत्रु भय रहेगा। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नए काम करने का मन बनेगा। दूर यात्रा की योजना बनेगी। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में चैन रहेगा। जोखिम न लें।

कर्क : अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ने के योग हैं। कोई बड़ी समस्या का अंत हो सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। लेन-देन में सावधानी रखें।

सिंह : कोई बड़ा खर्च एकाएक सामने आएगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। कुसंगति से बचें। किसी व्यक्ति के काम की जवाबदारी न लें। स्वयं के काम पर ध्यान दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यापार ठीक चलेगा।

कन्या : घर के छोटे सदस्यों संबंधी चिंता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

तुला : नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। धनहानि हो सकती है। सावधानी आवश्यक है।

वृश्चिक : वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय सताएगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। किसी जानकार व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

धनु : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों से कहासुनी हो सकती है। भागदौड़ होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। लाभ के लिए प्रयास करें।

मकर : कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि अपमान हो। व्यापार-व्यवसाय अनुकूल रहेगा। निवेश सोच-समझकर करें। नौकरी में चैन रहेगा।

कुंभ : नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधी चिंता बनी रहेगी। आशंका व कुशंका रहेगी। कार्य में बाधा संभव है। उत्साह बना रहेगा।

मीन : विवेक का प्रयोग करें। समस्याएं कम होंगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

5 घंटे में जमाएं मक्खन जैसी दही

कभी न करें ये गलती, स्वाद रहेगा लाजवाब

दही का उपयोग भारतीय रसोई में अक्सर किया जाता है. कई फूड आइटम्स में इसका यूज होता है. सब्जी बनाना हो या त्वचा और बालों की देखभाल करनी हो, दही का उपयोग इसमें होता ही है. हालांकि, सर्दियों में दही जमाना इतना आसान नहीं है. आप जानते ही होंगे कि दही जमाने के लिए थोड़ा नम और गर्म वातावरण की जरूरत होती है. लेकिन सर्दी के मौसम में दही जमाने में हर किसी को परेशानी होती है.

अगर दही को जमने में ज्यादा समय लग जाए तो उसका स्वाद खराब होने लगता है और न तो उसका टेक्सचर सही रहता है और न ही स्वाद. यहां कुछ आसान तरीके दिए गए हैं जो दही जमाने में मदद कर सकते हैं.

क्या है दही जमाने के स्टेप्स

- 1 लीटर फुल क्रीम दूध लें और उसे अच्छे से उबाल लें.
- दूध को उबालने के बाद इसे थोड़ा ठंडा होने दें.
- इसे गुनगुना ही रखना है. ध्यान रखें कि बहुत गर्म या बहुत ठंडा न हो.
- हमेशा ताजा खट्टा दही लेने की कोशिश करें.
- इसके बाद एक साफ बर्तन में दूध डाल लें.
- और उसमें थोड़ा सा आप दही का फ्रेश जामन डाल लें.

न करें ये गलती

- गर्म दूध में दही मिलाकर कभी न जमाएं.
- दही वाले कंटेनर को हर समय खोलकर न रखें.
- दही जमाते समय ध्यान रखें कि दूध न ज्यादा गर्म हो और न ज्यादा ठंडा.
- जिस कंटेनर में आप दही जमा रहे हैं उसे किसी सुरक्षित स्थान पर रखें, जहां वह हिले नहीं.
- घर पर दही जमाने के लिए आपको उसे गर्म स्थान पर रखना होगा.
- दही को उसी बर्तन में न रखें जिसमें आपने दूध उबाला था.
- अगर आप गाढ़ी दही चाहते हैं तो फुलक्रीम दूध का प्रयोग करें.

स्किन पर फ्रेशनेस चाहिए तो पुदीने का ऐसे करें इस्तेमाल

चेहरे की स्किन को हर कोई खूबसूरत बनाना चाहता है। लेकिन इसके लिए ज्यादातर लोग मार्केट के केमिकल वाले प्रोडक्ट पर भरोसा करते हैं। जबकि आपकी रसोई में कई सारे ऐसे सामान हैं, जिनकी मदद से आप साफ-सुथरी, ग्लोइंग स्किन पा सकते हैं। हर दिन घर से बाहर जाती हैं और चेहरे पर धूल-मिट्टी के कण जमा हो जाते हैं। वहीं कई बार स्किन को साफ करने के बाद भी डलनेस दिखती है। ऐसे में जरूरत है स्किन को थोड़ी फ्रेशनेस देने की, जिससे चेहरे का फीकापन दूर हो जाए। इस काम में मदद करेंगे पुदीने के पत्ते।

पुदीने के पत्ते से बनाएं फेसपैक

पुदीने के पत्तों की मदद से फेसपैक बनाकर चेहरे पर लगाया जाए। तो चेहरे की थकान और डलनेस दूर भागती और स्किन चमकने लगती है। इसे बनाने के लिए बस 3 चीजों की जरूरत है।

4-5 पुदीने के पत्ते
एक चम्मच एलोवेरा जेल
4-5 बूंद ग्लिसरीन

पुदीने के पत्तों को अच्छी तरह से धोकर पीस लें। जिससे इसका पेस्ट तैयार हो जाए। अब इस पेस्ट में एलोवेरा जेल और ग्लिसरीन की कुछ बूंदे मिला लें। इस फेस पैक को चेहरे

पर लगाने से पहले अच्छी तरह से चेहरे को फेसवॉश से साफ कर लें। फिर इस पुदीने के फेस पैक को लगाएं और आधे घंटे के लिए छोड़ दें। आधे घंटे बाद चेहरे को साफ करें। ये चेहरे की स्किन को ग्लो देने में मदद करेगा।

पुदीने की पत्तियों से कैसे मिलती है ग्लोइंग स्किन

पुदीने की पत्तियों में मेंथॉल की मात्रा ज्यादा होती है। अगर पत्तियों को पीसकर लगाया जाए तो ये स्किन को फ्रेशनेस देती हैं। साथ ही ये पत्तियां ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाती है। जिससे चेहरे पर डलनेस नहीं दिखती। यही नहीं एंटीऑक्सीडेंट्स की मदद से स्किन को डैमेज होने से भी बचाती हैं। जिससे चेहरा बिल्कुल फ्रेश और खूबसूरत नजर आने लगता है।

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

जौनपुर में लाल सूटकेस में मिली युवती का शव

जौनपुर. जौनपुर में शुक्रवार दोपहर सूटकेस में एक युवती का शव मिला। युवती के शरीर पर हरे रंग का शूट था। शव को बेरहमी से सूटकेस अंदर ठूंसा गया था। सूचना मिलने पर एसपी डॉ. कौस्तुभ ने घटनास्थल पर पहुंचे। साथ ही मामले की खुलासे के लिए तीन टीमों का गठन किया। वहीं, शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। ये मामला जेसीज चौराहे के पास का है। जहां एक प्राइवेट अस्पताल के सामने झाड़ी में लाल रंग का सूटकेस पड़ा था। शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे वहां से गुजर रहे एक युवक ने नजदीक जाकर देखा तो सूटकेस का चेन थोड़ा खुला था। उसने चेन खोला तो अवाक रह गया।

दून एक्सप्रेस को डिरेल करने की साजिश, पत्थर से टकराते हुए निकल गई ट्रेन; कस्टडी में 2 संदिग्ध

हरदोई. यूपी में लखनऊ-बरेली रेलवे लाइन पर दून एक्सप्रेस को डिरेल करने की साजिश थी। शनिवार की सुबह इसकी कोशिश भी गई। हरदोई में पिहानी रोड ओवरब्रिज के नीचे रेलवे पटरी पर लोहे का नट और पत्थर रखा गया था। गनीमत रही कि ट्रेन पत्थर से टकराते हुए निकल गई। इस घटना की जानकारी मिलते ही यूपी पुलिस, आरपीएफ और एजेंसियां अलर्ट हो गईं। साजिश रचने के इल्जाम में दो संदिग्धों को हिरास्त (कस्टडी) में लिया गया है। घटना की जानकारी होने पर पुलिस विभाग के ऑला अफसर भी मौके पर पहुंच गए। इस वारदात से हड़कंप मच गया है। वारदात शनिवार सुबह करीब 7:35 बजे की है। हरदोई के कोतवाली देहात क्षेत्र में पिहानी रोड ओवरब्रिज के नीचे रेलवे पटरी पर लोहे का नट और पत्थर रखकर ट्रेन डिरेल करने की कोशिश की गई। इस दौरान ट्रेन पत्थर से टकराते हुए आगे भी निकल गई। ट्रेन चालक की सतर्कता से हादसा टल गया। लेकिन ट्रेन को डिरेल करने की साजिश किसने और कैसे की यह पता लगाना जरूरी है। घटना की जानकारी पाकर आरपीएफ की टीम और कोतवाली देहात पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटना की जानकारी पाकर फील्ड यूनिट टीम ने भी मौके पर पहुंच कर फिंगरप्रिंट लिए।

3 मंजिला मस्जिद का अवैध निर्माण टूटना शुरू

गोरखपुर. गोरखपुर में घोष कंपनी चौराहे पर स्थित तीन मंजिला अबू हुरैरा मस्जिद के अवैध निर्माण को खुद मस्जिद कमेटी के लोगों ने तुड़वाना शुरू कर दिया है। गोरखपुर विकास प्राधिकरण ने अवैध निर्माण को 15 दिन में खुद ही ध्वस्त करा लेने का आदेश जारी किया था। यह चेतावनी भी दी थी कि यदि स्वयं ध्वस्तीकरण नहीं किया गया तो प्राधिकरण ऐसा करके इसका खर्च भी वसूल करेगा। प्रशासन के अल्टीमेटम को देखते हुए मस्जिद कमेटी ने शनिवार को खुद अवैध निर्माण तुड़वाना शुरू कर दिया। इस मामले को लेकर मस्जिद के पक्षकार ने मंडलायुक्त की कोर्ट में अपील भी की थी जिस पर तीन मार्च को सुनवाई होनी है। बता दें कि गोरखपुर विकास प्राधिकरण ने नगर निगम की 47 डिसमिल जमीन के एक कोने पर पिछले साल बनकर तैयार हुई तीन मंजिला जमीन को अवैध बताया था।

पीलीभीत के रिहायशी इलाके में तेंदुआ देखा, सड़क पर दौड़ लगाकर खेतों में घुसा, दहशत

पीलीभीत. के कजरी गांव के नजदीक तेंदुआ की चहलकदमी से दहशत फैल गई। इधर से गुजर रहे कार सवार के आगे तेंदुआ आ गया। ग्रामीण ने इसकी वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। तेंदुआ सड़क पर दौड़ लगाते हुए खेतों में घुसता देखा जा रहा है। क्षेत्र में लगातार वन्यजीवों की धमा चौकड़ी से लोग डरे हुए हैं। बताया जा रहा है आवारा मवेशियों को भी तेंदुए निशाना बनाया है। सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र में बाघ, तेंदुआ देखे जाने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। भय के चलते किसान और मजदूरों ने देर सवेर घरों से बाहर निकलना बंद कर दिया है। थाना सेहरामऊ उत्तरी के क्षेत्र कजरी निरंजनपुर में गुरुवार की शाम तेंदुआ गांव के नजदीक पहुंच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मंजीत सिंह की वर्कशॉप के पास तेंदुआ देखे जाने से हड़कंप मच गया। इधर से गुजर रहे कार के सामने तेंदुआ उछल कूद करते देखा जा रहा है।

उत्तराखंड के माणा में एवलांच बर्फ में दबकर 4 की मौत

- सेना का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

उत्तराखंड के माणा में आए एवलांच में दबे मजदूरों को निकालने के लिए सेना का रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। अब तक 50 मजदूरों को बाहर निकाला जा चुका है जिनमें से 4 दम तोड़ चुके हैं। दरअसल शुक्रवार को आई इस बर्फीली तबाही में 55 मजदूर दब गए थे। यह सभी मजदूर सीमा सड़क संगठन से जुड़े हुए थे और सड़क बनाने का काम कर रहे थे। इनमें से 15 मजदूरों को थोड़ी देर बाद ही बाहर निकाल लिया गया था। कल खराब मौसम के चलते रेस्क्यू ऑपरेशन में भी काफी परेशानी आई। हेलीकॉप्टर को भी आने की अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद आज हालात सुधरने पर माणा में हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया और तीन घायल मजदूरों को हेलीकॉप्टर से जोशीमठ स्थित मिलिट्री अस्पताल पहुंचाया गया।

पांच अब भी लापता

रेस्क्यू टीम अब पांच मजदूरों की तलाश में जुटी हुई है। आर्मी ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कल से जारी रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद 50 मजदूरों को बाहर लाया जा चुका है। हालांकि इनमें से चार जिंदगी की जंग हार चुके हैं। वहीं अन्य पांच मजदूर अब भी लापता है और उनको तलाशने की हर संभव कोशिश की जा रही है।

मौसम विभाग ने एहतियात बरतने की सलाह दी

मौसम विभाग ने बारिश, बर्फबारी और एवलांच आने की घटनाओं के बीच एहतियात बरतने की सलाह भी दी है। खासतौर पर ऐसे इलाकों में मानवीय गतिविधियों को फिलहाल स्थगित रखने की सलाह दी गई है, जहां बर्फबारी का दौर लगातार जारी है। ऐसे स्थानों पर रुकने या आश्रय लेने का सुझाव दिया गया है, जहां पर मलबा गिरने, एवलांच आने या बर्फ टूटने का खतरा न हो।

मौसम साफ होने से माणा हिमस्खलन रैस्क्यू शुरू

हिमस्खलन हादसे में फंसे 55 मजदूरों में से 33 को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद आई टी बी पी, सेना, बी आर ओ के जवानों ने शनिवार सुबह से रैक्स्यू अभियान दोबारा शुरू किया था। जिलाधिकारी डाक्टर संदीप तिवारी ने बताया हिमस्खलन में गंभीर रूप से घायल जिन तीन लोगों का इलाज माणा आई टी बी पी अस्पताल में चल रहा था। उन्हें आज शनिवार को सेना के हेलीकॉप्टर से जोशीमठ सेना अस्पताल में लाया गया है। इन सभी की स्थिति फिलहाल नियंत्रण में हैं। जिलाधिकारी ने बताया जोशीमठ में एन डी आर एफ के जवान भी पहुंच गए है। एन डी आर एफ के 28 जवान जोशीमठ में उपलब्ध हैं।

मणिपुर में जल्द स्थिति सामान्य होने के आसार

- शाह बोले- 8 मार्च से लोग कहीं भी आ-जा सकेंगे
- 10 दिन में 300 हथियार सरेंडर

मणिपुर में 21 महीनों बाद स्थिति सामान्य होने के आसार हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को राज्य के हालात पर समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने सड़कें ब्लॉक करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। गृह मंत्री ने 8 मार्च से मणिपुर में सभी सड़कों पर बेरोकटोक आवाजाही सुनिश्चित करने को कहा है।

वहीं, अगल-अलग समुदायों ने 20 फरवरी से अब-तक 300 से ज्यादा हथियार सरेंडर किए हैं। राज्यपाल ने 20 फरवरी को अनुरोध किया था कि हिंसा में लूटे गए हथियार सरेंडर कर दें। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने 9 फरवरी को इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था।

हथियार सरेंडर करने की समय सीमा एक हफ्ते और बढ़ी

मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने उग्रवादियों से हथियार सरेंडर करने की समय सीमा 6 मार्च शाम 4 बजे तक बढ़ा दी। हिंसा के दौरान लूटे गए 87 तरह के हथियार, गोला-बारूद और अलग-अलग सामान लोग स्वेच्छा से सरेंडर कर रहे हैं।

इंफाल ईस्ट, बिश्नुपुर, थौबल; कांगपोकपी, जिरीबाम, चुराचांदपुर और इंफाल वेस्ट जिलों में हथियार सरेंडर किए गए हैं। इनमें मैतेई ग्रुप अरम्बाई टेंगोल के सरेंडर किए गए 246 हथियार शामिल हैं।

कर्नाटक में सभी उत्पादों पर कन्नड़ लिखना जरूरी, सर्कुलर जारी

- सरकारी-प्राइवेट दोनों विभागों में लागू होगा
- सरकार बोली- अपने नागरिकों को बेहतर मौके देंगे

बेंगलूरु. कर्नाटक सरकार ने सरकारी ऑफिस, एजुकेशनल इंस्टीट्यूट और बिजनेस में कन्नड़ भाषा को अनिवार्य करने का आदेश जारी किया है। इस कदम का मकसद प्रशासन, शिक्षा और बिजनेस में कन्नड़ भाषा को बढ़ावा देना है। सरकार ने इस संबंध में 15 फरवरी 2025 को सर्कुलर जारी किया था। सरकार के मुताबिक यह फैसला कन्नड़ लैंग्वेज कॉम्प्रीहेंसिव डेवलपमेंट एक्ट के तहत लिया गया है। ये 2022 में लागू किया गया था, जो 12 मार्च 2025 से प्रभावी होगा। इसका उद्देश्य कन्नड़ भाषा का व्यापक विकास और स्थानीय लोगों को बेहतर अवसर देना है।

कर्नाटक सरकार के नियम

- सभी सरकारी ऑफिस, स्कूलों, कॉलेजों और बिजनेस में कन्नड़ भाषा को प्राथमिकता दी जाएगी।
- सार्वजनिक साइनबोर्ड, एडवर्टाइजमेंट और वर्क प्लेस पर कन्नड़ भाषा बोली-लिखी जाएगी।
- सामानों की पैकेजिंग पर नाम और जानकारी कन्नड़ में छापना अनिवार्य होगा। यह नियम सरकारी और प्राइवेट दोनों संस्थानों के लिए होगा।
- नियम न मानने पर होगी सख्त कार्रवाई
- सरकार ने साफ किया है कि अगर कोई इंस्टीट्यूट या व्यक्ति इन निर्देशों का पालन नहीं करता है, तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों को इस नियम के सख्ती से पालन की निगरानी करने के आदेश दिए गए हैं।

भोपाल में केमिकल फैक्ट्री में आग, ऊंची लपटें उठीं

भोपाल के गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में एक केमिकल फैक्ट्री में शनिवार दोपहर करीब 1.30 बजे आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि लपटें 40 फीट तक ऊंची उठी। 10 किलोमीटर दूर से धुआं दिखाई दे रहा था।

फायर ब्रिगेड की करीब 12 गाड़ियां और 40 टैंकरों की मदद से करीब 3 घंटे बाद 80 फीसदी आग पर काबू पा लिया गया है। एनडीआरएफ की टीम फैक्ट्री के अंदर पहुंची है। वह आग बुझाने में जुटी है। जेके रोड स्थित टाटा और महिंद्रा शोरूम के पीछे केमिकल फैक्ट्री है। यहां 40 हजार लीटर केमिकल रखा था।

हिंद महासागर क्षेत्र में सीमाएं लांघ रहा चीन

पर भारत हद में रखना जानता है; नौसेना प्रमुख की चेतावनी

नई दिल्ली. भारत के नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने शुक्रवार को कहा है कि चीन पिछले कुछ दशकों में हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है और चीनी सेना के छह-आठ पोत किसी भी समय वहां मौजूद रहते हैं। इस दौरान उन्होंने पड़ोसी देश को चेतावनी भी जारी कर दी कि भारत जानता है कि इसकी हद कहां है। नौसेना प्रमुख ने कहा है कि यह आधी से अधिक लड़ाई जीतने के बराबर है। एडमिरल त्रिपाठी नई दिल्ली में 'भारत 2047: युद्ध में आत्मनिर्भर' विषय पर आयोजित एक सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नौसेना प्रमुख ने कहा कि भारत ने चीन को किसी भी ऐसी जगह पर नहीं आने दिया है जहां भारत नहीं चाहता। उन्होंने कहा, ''चीन पिछले कुछ दशकों से हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बढ़ाता रहा है, न केवल महासागरों में बल्कि जमीन पर भी। पीएलए की नौसेना जो संख्या के हिसाब से सबसे बड़ी नौसेना है, समुद्री डकैती के खत्म हो जाने के बावजूद इंडियन ओसियन रीजन में किसी भी समय 6-8 सक्षम युद्धपोत तैनात रखती है।'' नौसेना प्रमुख ने कहा, ''बहुत सारी चीजें घटित हो रही हैं। अच्छी बात यह है कि भारतीय नौसेना के रूप में हम पूरी तरह से जानते हैं कि कहां-क्या हो रहा है और उसे

Rotary Club Ulhasnagar

Indian Red Cross Society
Ulhasnagar Sub - Dist. Branch

JASLOK HOSPITAL
A lifetime of care

Treat your Varicose Veins without surgery

Dr. Shoaib Padaria
Director - Vascular Sciences, Jaslok Hospital and Research Centre

Registration charges ₹ 100

Special Varicose Veins Camp in Ulhasnagar

9th March, 2025 Sunday 10 am to 4 pm

9920087952 / 9920087956

Red Cross Bhavan, Opp. Town Hall, Red Cross Road, Ulhasnagar No.3, Thane

- First Laser case for Varicose veins in India performed at Jaslok Hospital
- Procedure performed under Local Anaesthesia
- No Cuts or Stitches
- Procedure time under one hour
- Patients can resume work the next day
- Ideal for patients with dilated and enlarged veins, and Varicose Ulcers
- Safe for Patients suffering from Hypertension, Diabetes, Heart Disease, Kidney and Lung disease
- Safe for Elderly patients

संक्षेप...

दसवीं बोर्ड परीक्षार्थियों के लिए विशेष बस सेवा

नवी मुंबई. एनएमएमटी ने दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों के लिए परेशानी मुक्त यात्रा की सुविधा के लिए विशेष बसें शुरू की हैं। ये बसें छात्रों को बिना किसी असुविधा के अपने परीक्षा केंद्रों तक आने-जाने में मदद करेंगी। एनएमएमटी प्रबंधक योगेश कडुस्कर द्वारा शुरू की गई इस पहल से परीक्षा केंद्रों के पास निजी वाहनों और ऑटो रिक्शा के कारण होने वाली भीड़भाड़ कम होने की उम्मीद है। परीक्षा का समय कार्यालय समय के पीक आवर के दौरान होता है, जिसके कारण ट्रैफिक जाम की संभावना रहती है.

पॉड टैक्सी की पायलट परियोजना ठाणे में होगी शुरू

- परिवहन मंत्री सरनाईक ने बैठक में दी जानकारी
- सरकारी जमीन पर कब्जा और अतिक्रमण हटाने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का दिया निर्देश
- ठाणे मनपा क्षेत्र में चल रहे तमाम विकास कार्यों की समीक्षा की

ठाणे. राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की अध्यक्षता में मनपा मुख्यालय स्थित स्वर्गीय अरविंद पेंडसे सभागार में शहर में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी के लिए बैठक किया गया। शहर में हर में ट्रैफिक जाम को दूर करने के लिए भविष्य में स्वचालित पॉड टैक्सी परियोजना लाना अनिवार्य है।

इस पॉड टैक्सी पायलट परियोजना को ठाणे मनपा क्षेत्र में घोड़बंदर रोड से भायंदर पाड़ा मेट्रो स्टेशन से विहंग हिल्स सर्कल तक लागू किया जाएगा. यह जानकारी

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बैठक में बताया.

इस बैठक में महामेट्रो के प्रबंध निदेशक श्रवण हार्डिकर, अतिरिक्त मनपा आयुक्त 1 प्रशांत रोडे, मनपा अभियंता प्रशांत सोनगरा, उपायुक्त जी. जी. गोदेपुरे, शंकर पटोले, उपनगर अभियंता विकास ढोले, शुभांगी केसवानी, कार्यकारी अभियंता संजय कदम आदि उपस्थित थे।

बैठक में स्विमिंग पूल, श्मशान घाट, पार्क और डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर विपश्यना केंद्र, लता मंगेशकर संगीत विद्यालय जैसे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा परिवहन मंत्री सरनाईक ने किया।साथ ही निर्देश दिया कि जिन परियोजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहण किया जाना है या अतिक्रमण हटाया जाना है उन्हें 15 मार्च तक पूरा कर अगली बैठक में जानकारी दी जाय। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संकल्पना और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के मार्गदर्शन में न्यूट्रॉन ईवी मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से बड़ौदा में स्वचालित उन्नत पॉड टैक्सी की परियोजना क्रियान्वित की जा रही है।

मंत्री सरनाईक ने गुजरात दौरे पर जाकर इस प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया था।वही तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने प्रायोगिक आधार पर बीकेसी में इसी तरह की परियोजना के कार्यान्वयन को मंजूरी दे दी है।इसी तर्ज पर मीरा-भाईंदर, जे.पी. इंफ्रास्ट्रक्चर, शिवाजी महाराज प्रतिमा और भायंदर पाड़ा मेट्रो स्टेशन से विहंग हिल्स सर्कल के बीच स्वचालित पॉड टैक्सियों की एक पायलट परियोजना लागू की जाएगी।इसके लिए मनपा की ओर से जगह उपलब्ध करायी जायेगी।इस प्रोजेक्ट का सारा खर्च संबंधित संस्था वहन करेगी और सरकार या मनपा को एक भी रुपया खर्च नहीं करना पड़ेगा।मंत्री सरनाईक ने कहा कि यदि यह परियोजना सफल रही तो भविष्य में ठाणे और मीरा-भायंदर मेट्रो क्षेत्रों में स्वचालित इलेक्ट्रिक पॉड टैक्सियों का एक नेटवर्क बनाना संभव होगा।

'मराठी भाषा हमारे जीवन का हिस्सा बनेगी, तभी इसका अस्तित्व बचेगा'

- भिवंडी में मनाया गया 'मराठी भाषा गौरव दिवस'

भिवंडी. मराठी भाषा को अभिजात दर्जा दिए जाने पर खुशी जताने मात्र से मराठी भाषा जीवित नहीं रहेगी। किसी सरकारी औपचारिकता या कानून बनाकर भाषा को पुनर्जीवित नहीं किया जा सकता। जब तक मराठी भाषा हमारे जीवन का हिस्सा नहीं बन जाती, तब तक इसका अस्तित्व नहीं रहेगा। मराठी को जीवित रखना प्रत्येक मराठी व्यक्ति की जिम्मेदारी है,. उक्त विचार लेखिका एवं कवयित्री सुज्योति वल्लाल ने व्यक्त किए.

कवि कुसुमाग्रज और वी. वा. शिरवाडकर की जयंती के अवसर पर स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय, कामतघर और वरिष्ठ नागरिक सेवा संघ, कामतघर द्वारा संयुक्त रूप से 'मराठी भाषा गौरव दिवस' मनाया गया। सुज्योति वल्लाल उस अवसर पर बोल रही थीं।

इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय एवं वरिष्ठ नागरिक संघ के संस्थापक जगदीश

कुमार पठारे और संस्था के अध्यक्ष पी. एन. पाटिल अध्यक्ष व गोपाल पुजारी, सचिव अनिल वाघ उपाध्यक्ष के रूप में उपस्थित थे।

मराठी भाषा गौरव दिवस के अवसर पर स्थानीय कवि दीप्ति चाफेकर, स्नेहा कुलकर्णी, अपर्णा वाघ, अंजलि घुगरे, संदीप कांबले, सुरेश साल्वे, बाबूराव मोरे, नीलम कलगांवकर, विजय माली, नीलेश चिलमपुरी आदि ने जहां मराठी भाषा में कविता पाठ कर श्रोताओं के समक्ष कविता की गुणवत्ता प्रस्तुत की, वहीं अपर्णा वाघ ने 'प्रयागराज कुंभ मेला और सामाजिक परिप्रेक्ष्य' शीर्षक से यात्रा वृत्तांत प्रस्तुत कर श्रोताओं का दिल जीत लिया।

मुख्य वक्ता सुज्योति बल्लाल ने अपने भाषण में विश्लेषण किया कि मराठी भाषा को अभिजात दर्जा मिलने में देर क्यों हुई। हर भाषा श्रेष्ठ है. हमें इसका मूल्य कम नहीं करना चाहिए, बल्कि अपनी भाषा को अपमानित किए बिना सार्वजनिक जीवन में मराठी भाषा का अधिक प्रयोग करना चाहिए।

कार्यक्रम के अध्यक्ष पी. एन. पाटिल ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि भाषा तो भाषा होती है, कोई भी भाषा बुराई नहीं सिखाती, यह ठीक नहीं है कि हम अनावश्यक क्षेत्रवाद और भाषावाद पैदा करें तथा समाज में टकराव पैदा कर अशांति फैलाएं। उन्होंने यह कहते हुए निष्कर्ष निकाला कि मराठी भाषा की असली महिमा यह है कि कश्मीर की एक मुस्लिम लड़की ने हाल ही में दिल्ली में आयोजित साहित्य सम्मेलन में महाराष्ट्र का राज्य गान गाया और दिखाया कि हम सब एक हैं।

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाने के लिए 15086 ऑनलाइन आवेदन

- 30 अप्रैल तक हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाने का नागरिकों से आह्वान

ठाणे. अब सभी वाहनों के लिए हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट अनिवार्य करने के बाद राज्य सरकार ने 1 अप्रैल 2019 से पहले बने वाहनों के लिए हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाना शुरू कर दिया है।ठाणे क्षेत्रीय परिवहन विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई वेबसाइट पर नए नंबर प्लेट प्राप्त करने के लिए 15086 वाहनों का ऑनलाइन आवेदन किया है।

फर्जी नंबर प्लेट से होने वाले अपराधों के समाधान के लिए सड़क पर चल रही गाड़ी असल में किसकी है। कई कारणों से गाड़ी की नंबर प्लेट से गाड़ी की असली पहचान की पुष्टि करना एक बड़ी बाधा है। इसके लिए महाराष्ट्र सरकार के परिवहन विभाग ने 4 दिसंबर 2024 को एक मॉडल ऑपरेटिंग सिस्टम जारी किया है।अब सभी वाहनों पर हाई

सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। 1 अप्रैल 2019 के बाद वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाई जाएगी।लेकिन पहले वाली गाड़ियों पर नई नंबर प्लेट लगानी होगी।ठाणे क्षेत्रीय परिवहन विभाग द्वारा दी गई वेबसाइट www.transport.maharashtra.gov.in पर जाकर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट ऑनलाइन बुकिंग पर क्लिक करने पर सारी जानकारी आपके सामने आ जाएगी।क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी हेमांगिनी पाटिल के मार्गदर्शन में 28 फरवरी 2025 तक लगभग 15086 हजार पुराने वाहनों ने हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है।इनमें से 2 हजार 169 नंबर प्लेटें लगाई जा चुकी हैं।उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रोहित काटकर ने बताया कि 4 हजार 420 वाहनों को अपॉइंटमेंट दिया गया है।क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय ने हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने के लिए तीन अधिकृत कंपनियों को नियुक्त किया है।यदि ऐसी नंबर प्लेट किसी अनधिकृत विक्रेता द्वारा लगाई जाती है तो वाहन केंद्र सरकार के डेटाबेस में पंजीकृत नहीं होगा।इससे 30 अप्रैल 2025 के बाद बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट वाले वाहनों पर दंडात्मक कार्रवाई हो सकती है।

होम्योपैथी डॉक्टर पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज

नवी मुंबई. रबाले एमआईडीसी पुलिस ने दीघा के एक होम्योपैथी डॉक्टर के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है, मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट में 13 वर्षीय लड़की की मौत के मामले में उसकी लापरवाही की पुष्टि हुई है। प्रेरणा उमेश सोनवणे नामक लड़की की सितंबर 2023 में मृत्यु हो गई थी , जब डॉक्टर ने कथित तौर पर ऐसा करने के लिए अधिकृत नहीं होने के बावजूद एलोपैथिक दवाएं लिख दीं थी।

अभिलेखों को वर्गीकृत करने के लिए विशेष अभियान

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. जिलापरिषद के क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए 100 दिन की कार्य योजना पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य सरकार के प्रशासनिक विभागों के लिए 100 दिन की कार्ययोजना तय की है। इसी तर्ज पर जिला परिषद, ठाणे के अंतर्गत आने वाले कार्यालयों के लिए 100 दिन का 7 सूत्रीय कार्य योजना पर जिलाधिकारी अशोक शिनगारे, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे के

विशेष मार्गदर्शन में काम किया जा रहा है।जिला परिषद में स्वच्छता के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है और जिला परिषद के रिकार्ड रूम में प्रचलित नियमों व प्रक्रियाओं के अनुसार सरकारी एवं अर्ध सरकारी कार्यालयों में निंदाई-विनाश लेखन की प्रक्रिया क्रियान्वित की जा रही है।इसके तहत कार्यालयों में रिकार्ड को सार्वजनिक किया जा रहा है। साथ ही शासन के निर्णय सामान्य प्रशासन विभाग, क्रमांक विविध-2018/पी.नं.9/18(रा.-वि.का.) 15/02/2018 के अनुसार समस्त अभिलेखों का वर्गीकरण किया जा रहा है तथा कार्यालयों में पुराने अनुपयोगी सामान कम्प्यूटर, टेबल, कुर्सी, अलमारी आदि को निर्धारित तरीके से निस्तारित करने का कार्य अधिकारी व कर्मचारी कर रहे हैं।जिला परिषद मुख्यालय पर लगभग 300 अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस अभियान में भाग लिया।इसके साथ ही सभी पंचायत समिति कार्यालयों में रिकॉर्ड का वर्गीकरण किया जा रहा है।अभियान को सफल होने के लिए शनिवार व रविवार को भी अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहेंगे।

इस 100 दिवसीय 7 सूत्री कार्ययोजना को 15 अप्रैल 2025 तक सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने के लिए जिला परिषद में विशेष अभियान चलाया जा रहा है।इसके लिए वेबसाइट जनता के साथ इंटरैक्टिव होनी चाहिए ताकि नागरिक अपनी समस्याओं का समाधान ऑनलाइन प्राप्त कर सकें।नागरिकों को सुविधा और अधिक जानकारी के लिए जिला परिषद की वेबसाइट तैयार की जा रही है।

तलोजा MIDC में ड्रग्स नष्ट करने की की गई कार्रवाई

नवी मुंबई. तलोजा एमआईडीसी स्थित वेस्ट मैनेजमेंट लिमिटेड प्लांट में ड्रग्स नष्ट करने की यह कार्रवाई की गई. इस प्रक्रिया की निगरानी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा की गई. पुलिस ने बताया कि यह ड्रग्स पिछले कुछ वर्षों में जब्त की गई थीं और इसे कानूनी प्रक्रिया के तहत नष्ट किया गया. नवी मुंबई पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023-2024 में नशीले पदार्थों से संबंधित कुल 1,143 मामले दर्ज किए गए. इस दौरान 1,743 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें कई विदेशी नागरिक भी शामिल थे. गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से 111 अफ्रीकी नागरिक और 224 बांग्लादेशी नागरिक शामिल थे, जिनके पास से 38 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की गई. पुलिस के मुताबिक, इन सभी आरोपियों के खिलाफ कड़े कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है.

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने संत शिरोमणि रविदास को किया नमन

ठाणे. संत परंपरा के महान योगी समानता के प्रतीक मानवता के संदेश देने वाले संत शिरोमणि रविदास महाराज की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन।हमें एक महान संत व समाज सुधारक को नमन करने का अवसर मिला है।उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि आज संत शिरोमणि रविदास महाराज का अभिवादन करने के लिए सुनहरा मौका मिला।ठाणे मनपा और गुरु रविदास महाराज सार्वजनिक महोत्सव समिति द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित डॉ. काशीनाथ घाणेकर

नाट्यगृह में संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 648 वीं जयंती समारोह का आयोजन किया गया।परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, विधायक संजय केलकर, अतिरिक्त आयुक्त (1) संदीप मालवी, अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे, अध्यक्ष बालाजी कांबले, उपाध्यक्ष राजाभाऊ चव्हाण, सुनील लोंगरे, सचिव विक्रम भोईर, संयुक्त सचिव संतोष जाधव, कोषाध्यक्ष सुनील गवली, संयुक्त कोषाध्यक्ष संतोष मस्के आदि उपस्थित थे।आदरणीय शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे और धर्मवीर आनंद दिघे ने हमें सिखाया कि हमें समाज में अच्छी चीजों के पीछे खड़ा होना चाहिए।संत रविदास एक महान भक्त, समाज सुधारक और कवि थे।रविदास की उपदेशात्मक कविता ने पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के क्षेत्रों में एक गुरु के रूप में प्रभाव डाला है।संत रविदास का जीवन और शिक्षा आज भी हमारा मार्गदर्शन करती हैं।उपमुख्यमंत्री शिंदे ने यह भी कहा कि उनके संदेश बहुत सरल और उतने ही प्रभावी हैं।इस अवसर पर विधायक संजय केलकर ने संत शिरोमणि गुरु रविदास के कार्यों के महत्व के बारे में बताया।साथ ही उन्होंने समाजरत्न पुरस्कार विजेताओं और मेधावी छात्रों की भी सराहना की।

रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूज पेपर (सेंट्रल) रूल्स 1956 के अंतर्गत दैनिक उल्हास विकास पत्र के संबंध में स्वामित्व तथा अन्य विवरण विषयक जानकारी

घोषणा

(फार्म - 4)

1) प्रकाशन स्थल :	दैनिक उल्हास विकास, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के सामने, गोल मैदान, उल्हासनगर-1
(2) प्रकाशन क्रम :	दैनिक (शनिवार को छोड़कर)
(3) प्रकाशक :	हीरो अशोक बोधा
(4) संपादक :	हीरो अशोक बोधा
(5) नागरिकता:	भारतीय
(6) पता :	ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के सामने, गोल मैदान, उल्हासनगर-421001.
(7) मुद्रक :	हीरो अशोक बोधा
(8) मुद्रण स्थान :	ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के सामने, गोल मैदान, उल्हासनगर-421001.

मैं **हीरो अशोक बोधा** घोषित करता हूं कि उपरोक्त विवरण मेरी जानकारी तथा विश्वास के अनुसार सही है.

(हीरो अशोक बोधा)

दिनांक : 2 मार्च 2025

अंतिम प्रतियोगिता में SST कालेज की एकांकी शामिल

उल्हासनगर. नाट्यजगत में प्रतिष्ठित मानी जाने वाली लोकसत्ता लोकांकिका नामक इस सम्मानजनक प्रतियोगिता की अंतिम प्रतियोगिता में पहुंचकर एस एस टी महाविद्यालय के संजीवनी सांस्कृतिक विभाग की ड्रामानॉमिक्स टीम ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। ठाणे क्षेत्र के नाट्यकर्मियों को अपनी विविधतापूर्ण कल्पनाओं को एकांकियों के माध्यम से प्रस्तुत करने के लिए यह प्रतियोगिता पिछले कई वर्षों से एक उच्च-स्तरीय मंच प्रदान कर रही है।

इस मंच से प्राथमिक चरण को पूरा करने के बाद दूसरे चरण में भी एस एस टी महाविद्यालय की एकांकी ऑपरेशन ने बाजी मारी। अन्य प्रतिष्ठित महाविद्यालयों की एकांकियों के बीच अपनी प्रस्तुति का शानदार प्रभाव छोड़ते हुए एस एस टी की ऑपरेशन एकांकी ठाणे के डॉ. काशीनाथ घाणेकर नाट्यगृह में आयोजित होने वाली क्षेत्रीय अंतिम प्रतियोगिता के लिए चुनी गई है।

इस एकांकी के निर्देशन की जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाने में निर्देशक नितिन सावले की भूमिका महत्वपूर्ण रही। लोकसत्ता लोकांकिका प्रतियोगिता के ठाणे क्षेत्रीय फेरी में चयन होने से महाविद्यालय में गर्व और खुशी का माहौल बन गया है।

इस सफलता के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. खुशबू पुरस्वानी, संजीवनी सांस्कृतिक विभाग के समन्वयक डॉ. तुषार वाकसे और सभी पदाधिकारियों ने ड्रामानॉमिक्स समूह की प्रशंसा की और उन्हें अंतिम प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

PUBLIC NOTICE

My client Shri. Mithumal Gurnani, aged. 65 Years, R/at, BK no 942, Room no.3, Section 21, Ulhasnagar 421003, in his full sense and knowledge, have disowned his Son Shri Amit Mithumal Gurnani & Daughter-in-law Smt Dimple Amit Gurnani@Dimple Pinjani from his moveable, immoveable property of whatsoever nature, and my client himself and his daughters Smt. Nisha Prakash Vaswani. 2.Smt. Payal Vijay Keshi. 3. Smt. Janvi Navin Achantani severed all their relation with both of them due to their regular misbehaviour and mis conduct with them. Whoever deals with them shall be responsible himself.

Sign of
Shri Mithumal Gurnani.

Sign of
Hemansh Ahuja
B.Com, LL.B, LL.M
Advocate High Court,
Mobile No:- 9323231134
OFFICE ADD:- LAXMI NAGAR, SHOP NO 3, NEAR KRISHNANI CHOWK, ULHASNAGAR 421003.DIST- THANE.

श्रेया घोषाल का एक्स अकाउंट हैक

- सिंगर ने इंस्टग्राम पर पोस्ट कर दी जानकारी
- बताया- 13 फरवरी से बंद है अकाउंट

श्रेया घोषाल ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की है। इस पोस्ट के जरिए सिंगर ने बताया कि उनका एक्स अकाउंट हैक हो गया है। हालिया पोस्ट में श्रेया ने कहा कि उनका अकाउंट 13 फरवरी से हैक है। इस पोस्ट में उन्होंने सोशल मीडिया यूजर्स को एडवाइस भी दी है।

श्रेया घोषाल ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने अपने अकाउंट को रिस्टोर करने की काफी कोशिश कर ली है। ले कि न

अब तक वह अपने अकाउंट को रिस्टोर नहीं कर पाई हैं।

श्रेया ने पोस्ट में लिखा- सभी फैंस और दोस्तों को नमस्कार। मेरा एक्स अकाउंट 13 फरवरी से हैक हो गया है। मैंने एक्स टीम से भी कॉन्टैक्ट करने की काफी कोशिश की, लेकिन सिर्फ कुछ ऑटो-जवाब ही मिले, कोई मदद नहीं मिली। अब मैं अपने अकाउंट में लॉगिन भी नहीं कर सकती और न ही इसे डिलीट कर सकती हूं। प्लीज उस अकाउंट से आने वाले किसी भी लिंक पर क्लिक न करें और न ही किसी मैसेज पर ट्रस्ट करें। उस अकाउंट से आए सभी मैसेज और लिंक फेक हैं।

श्रेया घोषाल हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मोटापे के खिलाफ मुहिम का सपोर्ट करने को लेकर चर्चा में थीं। इसके लिए सिंगर ने एक वीडियो शेयर किया था। वीडियो में उन्होंने कहा- 'हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एंटी-ओबेसिटी' अभियान शुरू किया है। आज के समय में यह बहुत जरूरी है, क्योंकि हमारा देश तेजी से आगे बढ़ रहा है और वर्ल्ड लेवल पर अपनी पहचान बना रहा है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099